1 “बहादुर” (लेखक-अमरकांत त्रिपाठी)

शब्द-अर्थ	शब्द-अर्थ
• बहादुर- साहसी, निडर	• निर्जनता - सुनसान, सूनापन
• सहसा –अचानक	• बड़प्पन- बड़ा होने के भाव
• ठिगना -छोटे कद का	• निस्संदेह – बिना शक
• दायित्व-जिम्मेदारी	• एक खर भी न टकसाना-कुछ भी न करना
• आँखों का मलकाना – आँखें जल्दी-जल्दी खोलना और बंद करना	• फिरकी की तरह नाचना- काम के लिए यहाँ से वहाँ दौड़ना
• चमकती दृष्टि से देखना-आशा तथा प्रसन्नता देखना	• शान- शौकत ठाठ-बाट
• ईर्ष्या से जलना -बहुत ईर्ष्या करना	• कायल- मानने वाला
• माला जपना- रटना	• अनुशासन-नियम, व्यवस्था
• अभागिन-भाग्य जिसका साथ न दे	• नित्य- रोज, प्रतिदिन
• भरण – पोषण- पालन-पोषण	• गर्जन-तर्जन करना ऊँची आवाज में डांटना-फटकारना
• हाथ बँटाना *(मुहावरा –सहायता करना)*	• भद्दी- गन्दी
• माथा ठनकना(मुहावरा -शक होना)	• बरदाश्त –सहन
• गुस्से से पागल होना (मुहावरा- बहुत अधिक गुस्से के कारण कुछ न सूझना)	• मुँह उतरना –उदास हो जाना
• काल्पनिक अनुमान- मन में अंदाजा करना	• चौका –रसोई
• मन फट जाना-लगाव न रहना, प्रीति न रहना	• पेट में लंबी दाढ़ी होना –बाहर से शरीफ दिखना, लेकिन वास्तव में चालाक होना|
• नौ दो ग्यारह होना (मुहावरा -भाग जाना)	• मारते-मारते मुँह रँगना–बहुत मारना
• व्यावहारिक-व्यवहार करने योग्य	• हाथ खुलना- मारने की आदत पड़ना
• फरमाइश –मांग	• बातों की जलेबी छनने लगी –इधर–उधर की बातें होने लगी
• तलना भूनना- बहुत दुःख देना	• संतुष्टि एवं प्रफुल्लता-संतोष और ख़ुशी
• बंसखट – बांस से बनी चारपाई	• मुँह काला पड़ना –भयभीत होना